लसीका फाइलेरिया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने लसीका फाइलेरिया (लिम्फैटिक फाइलेरियासिस) उन्मूलन के लिये द्वि-वार्षिक राष्ट्रव्यापी मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA) अभियान का पहला चरण शुरू किया।

मुख्य बिंदु:

- लसीका फाइलेरिया, जिसे आमतौर पर **हाथीपाँव रोग** (एलिफेंटियासिस) के रूप में जाना जाता है, **परजीवी संक्रमण के कारण होने वाला एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (Neglected Tropical Disease- NTD) है जो संक्रमित मच्छरों के काटने से** फैलता है।
- **वर्ष 2021 में लगभग 44 देशों में 882 मिलियन से अधिक लोग हाथीपाँव रोग/लसीका फाइलेरिया (Lymphatic Filariasis) के खतरे का सामना** करते हैं और उन्हें निवारक कीमोथेरेपी (Preventive Chemotherapy) की आवश्यकता होती है।
- **LF भारत में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या** है। वर्तमान में, देश के 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 345 लिम्फैटिक फाइलेरिया स्थानिक ज़िले हैं।
  - MDA के 75% ज़िले 5 राज्यों बिहार, झारखंड, यूपी, ओडिशा और तेलंगाना से हैं।
- LF शहरी गरीबों में अधिक प्रचलित है और ग्रामीण आबादी के सभी वर्गों को प्रभावित करता है।
- इसका **संक्रमण बचपन में शुरू होता** है और वयस्कता तक बढ़ता है, जिसके परिणामस्वरूप अपरिवर्तनीय दीर्घकालिक रोग की स्थिति उत्पन्न होती है।
  - यह बीमारी कलंक, मानसिक पीड़ा, सामाजिक अभाव और आर्थिक हानि पहुँचाती है तथा प्रभावित समुदायों में गरीबी का एक प्रमुख कारण है।
- **लसीका फाइलेरिया, फिलारियोडिडिया परिवार के नेमाटोड (राउंडवॉर्म)** के रूप में **वर्गीकृत परजीवियों के संक्रमण** के कारण होता है।
- **ये धागे जैसे फाइलेरिया कृमि 3 प्रकार के होते हैं:**
  - **वुचेरेरिया बैन्क्रॉफ्टी (Wuchereria Bancrofti),** जो 90% मामलों के लिये उत्तरदायी होता है।
  - **ब्रुगिया मलाई (Brugia Malayi),** जो शेष अधिकांश मामलों का कारण बनता है।
  - **ब्रुगिया टिमोरी (Brugiya Timori),** भी इस रोग का कारण है।
- **भारत की पहल:**
  - MDA अभियान वर्ष में दो बार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (10 फरवरी और 10 अगस्त) के साथ समन्वयित किया जाता है।
  - भारत वैश्विक लक्ष्य से तीन वर्ष पहले वर्ष 2027 तक LF को खत्म करने के लिये प्रतिबद्ध है।

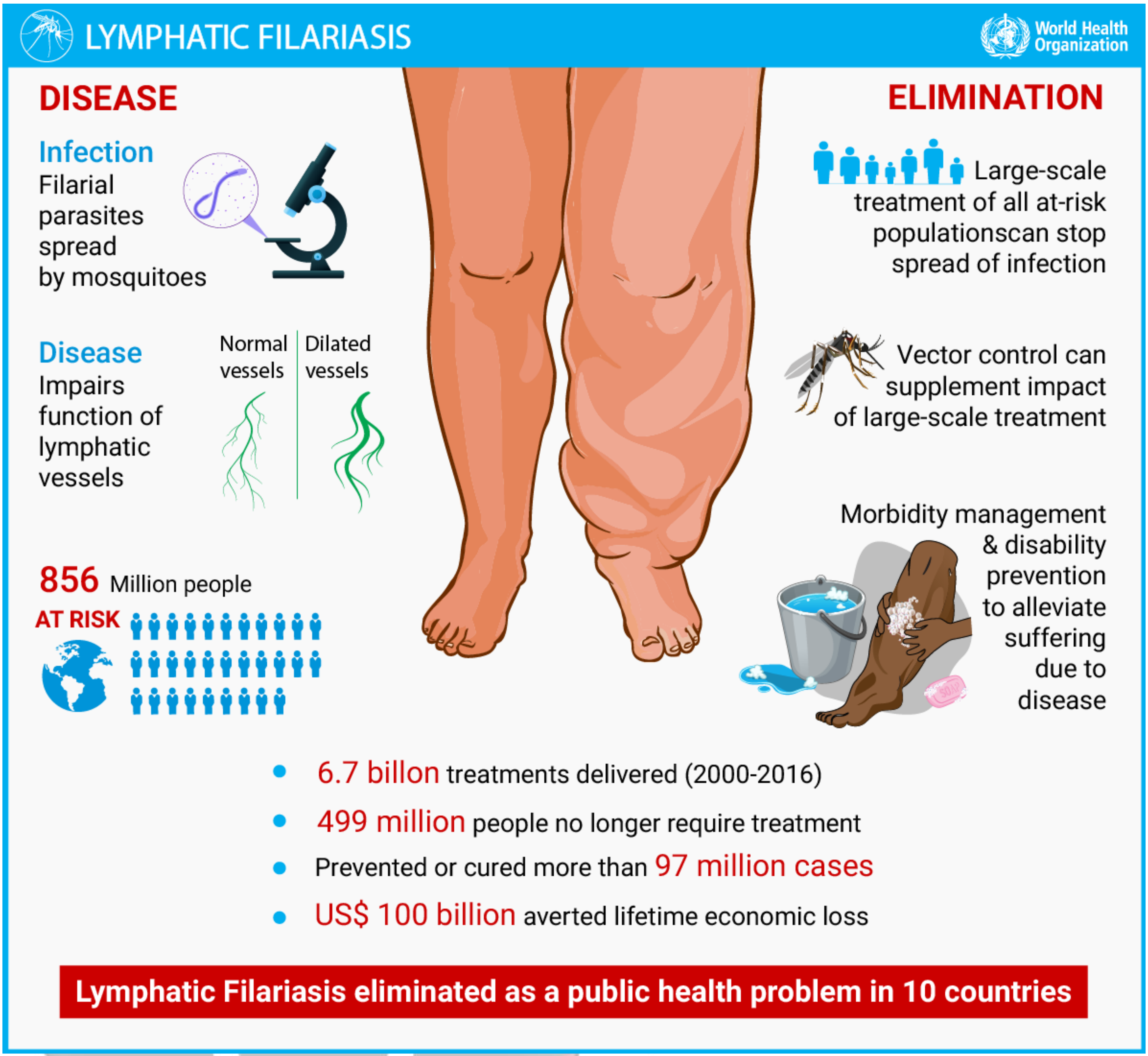

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lymphatic-filariasis-4